



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
दैनिक भास्तु

दिनांक
४.७.२२

पृष्ठ संख्या
२

कॉलम
६-८

• असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में मिलेगा लाभ एचएयू के बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिजाइन अधिकार, होगी सुविधा

भास्तु | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्न-भूजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है। इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुदेशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढांगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।



एचएयू के कुलपति प्रो. बी आर काम्बोज के साथ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली छात्रा एकता मलकानी।

त्यवहार्य सहायता मिलती है: तीसी

कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और वे महिलाएं बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों व आम लोगों के लाभ की एसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें सही मार्गदर्शन के द्वारा ध्वनि में और भी बेहतर बनाने एवं बौद्धिक सम्पद के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाइड डॉ. मंजु महता को बधाई दी।

श्रमिकों को काम में सक्षम बनाता है

डॉ. मंजु महता ने कहा कि मनके के तार और मौतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएं फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरम्भात्यक जगह प्रदान करता है। वर्कस्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उत्पाद की कॉम्पैक्टनेस और गतिशीलता के साथ जगह की भी बचत करता है। इसमें भैंडारण के लिए स्थान होने के चलते यह श्रमिकों को उनकी सामान्य पहुंच में काम करने में सक्षम बनाता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूत उज्ज्वला	४-७-२२	५	१-६

सुविधा

फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाएगा

एचएयू के बीड प्रोडक्ट वर्क स्टेशन को मिला डिजाइन अधिकार

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) को बीड प्रोडक्ट वर्क स्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई।

कुलपति प्रो. बीआर कांवोज ने बताया कि इस उत्पाद के आविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। यह वर्क स्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित



कुलपति के साथ प्रोडक्ट वर्क स्टेशन डिजाइन करने वाली छात्रा एकता व अन्य। संग्रह

मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है, श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुदृशीय कामगारों के रूप में कार्य करता है, ये बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है। देश में असंगठित महिला परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्क

स्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों व आम लोगों के लाभ की ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें सही मार्गदर्शन के द्वारा भविष्य में और भी बेहतर बनाने एवं बौद्धिक संपदा के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्क स्टेशन डिजाइन करने वाली विश्वविद्यालय के परिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की ओर छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाइड डॉ. मंजु महता को बधाई दी। डॉ. मंजु महता ने कहा कि मनके के तर और

गौतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएं फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्क स्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरमदायक जगह प्रदान करता है।

वर्क स्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उत्पाद की गतिशीलता के साथ जाह की भी बचत करता है। इसमें भंडारण के लिए स्थान होने के चलते यह श्रमिकों को उनकी समान्य पहुंच में काम करने में सक्षम बनाता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओपसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइजर डॉ. सदीप आर्य उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
~~दैनिक जागरूक~~

दिनांक
४.७.२२

पृष्ठ संख्या
५

कॉलम
३-४

एचएयू के बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिजाइन अधिकार : वीसी



कुलपति प्रौ. वीआर काम्बोज के साथ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली छात्रा एकता मलकानी व अधिकारीण। • विजयि

जगरण संबोधाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. वीआर काम्बोज ने दी। प्रौ. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अधिकार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्न-मुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों

से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्दीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है। बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन प्रदान करता है व्यवहार्य सहायता कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएं बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाइड डा. मंजु महता को बधाई दी। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता, ओएसडी डा. अतुल ढीगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डा. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
दृष्टि - मूल

दिनांक
८.७.२२

पृष्ठ संख्या
१०

कॉलम
४-७

बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिजाइन अधिकार

- भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई।

दृष्टि-मूल व्यूजा ■ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने दी। प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अधिकार से मनका उत्पाद बनाने वाली



हिसार। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज के साथ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली छात्रा एकता मलकानी व अधिकारी।

फोटो हरिभूमि

श्रमिकों को सानान्द्य पहुंच ने काम करने में होती है सुविधा
डॉ. मंजु जहता ने कहा कि मनके तार और मोतियों के आभूषण बनाने में लगी अंतिलाएं पक्षी पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है।

असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर महिलाओं को कार्य करने में बहुत बैठकर कार्य करने वाले शिल्प सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले

बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन प्रदान करता है सहायता

कुलपति ने कहा कि मारत ने असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएं डिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही अंगठनालैक रूप पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश नरकुलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है।

हिस्से, गर्दन और अग्न-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्दीशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्जात समाचार	४.७.२२	५	१-३

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीड़ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिज़ाइन अधिकार : कुलपति

हिसार, ७ जुलाई (विंदे वर्ष) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को बीड़ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिज़ाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ डिज़ाइन अधिकार मिला है। प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिज़ाइन करने वाली छात्रा फर्जा पर बैठकर तब समय तक भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर एकता मलकानी व अधिकारीण।

से जारी डिज़ाइन प्रमाण पत्र में इस घोर कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएं बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकार मस्कुलों-स्कलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है। उन्होंने यह बीड़ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिज़ाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाड़



डॉ. मंजु महला को बधाई दी। अभिकों को सामान्य पहुंच में काम करने में होती है सुविधा : डॉ. मंजु महला ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आधुनिक बनाने में लगी महिलाएं काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पीढ़ी के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर शुकाएं बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है। वर्कस्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उत्पाद की कोम्पैक्टनेस और गतिशीलता के साथ जगह की भी बचत करता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महला, ओएसडी डॉ. अहुल ढींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्थ उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सरो	४.७.२२	२	७-८

हक्कि के बीड़ प्रोडेक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिजाइन अधिकार

हिसार, 7 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को बीड़ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जी. आर. काम्बोज ने दी।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अधिकार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को घीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अंग-भुजाओं से संबंधित मस्कलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्दीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी ने यह बीड़ प्रोडेक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन किया है। छात्रा की गाइड मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता रही।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीनक भूषा	४.७.२२	३	५

प्रोडक्ट पर दस साल का मिला डिजाइन अधिकार

हिसार, 7 जुलाई (निया)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हक्की) को बोड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है।

भारतीय पेटेट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710.001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
<i>The Tribune</i>	8.7.22	2	7-8

AGRI VARSITY ORGANISES VAN MAHOTSAV



Hisar: Climate change is a major challenge of the 21st century. To deal with this challenge, it is important to increase the number of trees. The Vice-Chancellor, Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University, Prof BR Kamboj, said this while speaking at the inauguration of Van Mahotsav on the university campus. He said carbon dioxide was the biggest contributor to climate change, but trees and plants absorbed and converted it into life-giving oxygen and purified the atmosphere. Tree plantation should be undertaken as a social campaign and every citizen should contribute to it and plant more and more saplings, he added. On this occasion, the Dean, Indira Chakravarti Home Science College, Dr Manju Mahata, informed that 450 saplings were planted during the plantation drive. TNS



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब क्षेत्र	७.७.२२	५	१-२

जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जीवन में लिए वृक्षों की संख्या बढ़ाना जल्दी प्रा. कम्बाज



वृक्षारोपण के पश्चात् कृत गति प्रा. श्री.आर. कम्बाज के साथ महाविद्यालय की दीन व जीवन।
कुलपति ने किया ज्ञाम साइंस कालेज में वन महोत्पवन शुभारंभ

(हिसार, ६ जुलाई २०२२) : जलवायु परिवर्तन २१वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है जिसमें निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ वृक्षों की संख्या बढ़ाना अति आवश्यक है। इन वृक्षों की वर्षा और ऊर्जा के बहुत सारे फायदे हैं। इसलिए हर खाली स्थान पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है।

इस मौके पर उन्होंने इन्द्रिया चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय परिसर में कच्चार का पौधा रोपित करके बन महोत्पवन का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय व लैंडस्केप इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। दीन दी. मंजु महता ने ब्रताया कि पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कुल ४५० पौधे रोपित किए गए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
प्राची एवेन्यु	07.07.2022	-----	-----

मनका उत्पाद में कार्य करने वाली महिलाओं को होगी सुविधा : वीड़ी

हकूमि के बीड़ प्रोडक्ट
वर्क स्टेशन को मिला
डिजाइन अधिकार

चिराग टाइम्स न्यूज़

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को बीड़ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने दी।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अधिकार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और आग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है।



कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा धरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएं बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों व आम लोगों के लाभ की ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें सही मार्गदर्शन के द्वारा भविष्य में और भी बेहतर बनाने एवं बौद्धिक सम्पदा के रूप में स्थापित करने का श्रमिकों को सामान्य पहुंच में काम करने में होती है सुविधा : डॉ. मंजु महता ने कहा कि मनके के तार और मेतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएं फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम. ३१२	07.07.2022	-----	-----

शोध छात्रा मलकानी के बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन के डिजाइन को मिला पेटेंट

हिसार/ 07 जलाई/ रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को बीड़ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने देते हुए बताया कि इस उत्पाद के अविकार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगति क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्कलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्दीशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है। कुलपति ने कहा भारत में असंगति महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घेरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएं बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश



मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों व आम लोगों के लाभ की ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें सही मार्गदर्शन के द्वारा भविष्य में और भी बेहतर बनाने एवं बौद्धिक सम्पदा के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह बांड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाइड डॉ. मंजु महता को बधाई दी। डॉ. मंजु महता ने कहा कि मनके तार और मोतियों के आधुषण बनाने में लगी महिलाएं फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पॉट के ऊपरा हिस्से का आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है। वर्कस्टेशन का स्लाइटिंग समायोजन इस उत्पाद की कॉर्पैक्टनेस और गतिशीलता के साथ जगह की भी बचत करता है। इसमें भंडारण के लिए स्थान होने के चलते यह श्रमिकों को उनकी सामान्य पहुंच में काम करने में सक्षम बनाता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ठांगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त परिपाणा	07.07.2022	-----	-----

चौ.च.सिं. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन
को मिला डिजाइन अधिकार : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्या हरियाणा बृज
हिसार। चौथी तरफ चिंह हरियाणा कृषि
विविधताएँ, सिस्टर जो भौद्र ग्रोवर्ड वर्कसेन्ट
नामक डिपार्टमेंट विषय एवं उत्पाद पर दस साल के
डिपार्टमेंट अधिकारी थिले हैं। भारतीय पेट्रोल कार्बोलिप
की ओर से जारी डिपार्टमेंट प्रश्न पर में इस उत्पाद
को 339710-10 प्रैवेकरण समझ प्रदान की गई।
यह जारीकरी विविधताओं के कुलपर्याप्ति प्री प्री
आर. अधिकारी ने दी। प्री. काम्पोज ने जवाब में इस
उत्पाद के अधिकारी से मनका उत्पाद अनुसन्धान याची
अप्रसंगित थेंगे तो कम करने वाले महसूलों को
कानून करने में बहुत शुभिया होगी। उक्तोंने खाताक विषय
यह जारीकरी का प्रमुख कारण से फर्ज पर बैठकर कार्य
करने वाले किंवदं अधिकारी को पीढ़ के उपरी च नियन्त्रण
हिस्से, गवर्नर और आर. भुजाजी से संबंधित ममकुल-
स्केलटाटल विकास तथा व्यवस्था है इनकी दृष्टि
उपर्योग अन्य व्यवस्थाओं विशेषक कार्य करने के सिवा
पी किया जा सकत है। भौद्र ग्रोवर्ड वर्कसेन्ट प्रदान
करता है अधिकारी साहबों कुरापति में कला भाषण



असंविधान नियमों का एक बहु हिस्सा ऐसा नहीं था जो अधिकारों मालिनी-स्ट्रेटेजिक विकारी में शामि करने में कामगारी के रूप में कार्य करता है और वे मालिनी की रूप में कामगारी की रूप में कार्य करता है। उसने कहा कि विश्वविद्यालय किसी सुरक्षा और कठोर आईटीवालों के काम किसानों ये आम सोनों के लकड़ी और ऐसी की करते हैं। यह वर्कर्सेप्ट और साथ ही लकड़ीके पर काम कर रहा है किंतु वही कार्यदाता के संगठनावाक स्तर पर काम करने वाली मालिनीओं को द्वारा भवित्व में और भी बेहतर बनाने एवं चैटिंग कृपार जैसी विकारी मालिनी प्रदान करता है। और कार्य से हीने समय के रूप में बहुप्रिय करने वाले प्रदान किया जा रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सूखी पत्ते	07.07.2022	-----	-----

एचएयू के बीड प्रोडक्ट वर्क स्टेशन को मिला डिजाइन अधिकार



कुलदीप के साथ प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन पट्टे वाली छात्र एकता व अधिकारी।

मिट्टी पत्ते न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेट्रोट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। कुलदीप की ओर से आर. कामबोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविकार से मनका उत्पाद बनाने वाली असेंटिट फैब में काम करने वाली महिलाओं को बढ़ाव करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से कार्बन पर बैठकर काम करने वाले शिल्प श्रमिकों की ओर के ऊपरी व निचले

हिस्से, गर्दन और अप-पुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाना है। इसका उपयोग अन्य अनुदेशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है।

उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिजाइन करने वाली विश्वविद्यालय के परिवारिक संसाधन प्रबोधन विभाग की ओर लात्रा एकता मलकानी व उनकी गदड़ डॉ. भंजु महता को बधाई दी। डॉ. महता ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आभूषण बनाने में लड़ी महिलाएं फर्ज पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। वर्कस्टेशन का सेनाइंडिंग समायोजन इस उत्पाद की कौशिकी और गतिशीलता के साथ जगह की भी बचत करता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	8.7.22	4	4-8

Cotton farmers faced losses in last kharif season, suggests HAU report

DEEPMALA DESWAL
Tribune News Service

HISAR, JULY 7

As farmers were demanding compensation for cotton crop last year in Hisar, the Economic Report of Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University (HAU), Hisar, has also suggested that the cotton farmers were indeed at a loss in the cotton belt of Hisar, Bhiwani, Sirsa districts etc.

The report (a copy of which is with *The Tribune*) indicated that the farmers had suffered a loss of about Rs 5,721 per acre on an average in the state when the total input costs were compared with the gross return.

Hisar and Sirsa farmers were at a heavy loss of Rs 10,030 and Rs 8,337, respectively. The report mentioned that the incidence of pink bollworm had been observed but it was above the economic threshold level. However, the farmers had complained that the pink bollworm coupled with inundation of fields due to heavy untimely rains had inflicted huge damage to the cotton crop in the 2021 kharif season.

Though the insurance firms have compensated the farmers under the Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana (PMFBY), the un-insured farmers had demanded special girdawari of the crop damage and compensation from the state government. A revenue official from Hisar said the state government had also given compensation to the farmers



COTTON PRODUCTION PER ACRE IN RUPEES

	Hisar	Sirsa	State average
Total cost	₹35041	₹36,010	₹35,241
Gross return	₹24984	₹27,673	₹29,520
Net return	₹-10,030	₹8,337	₹-5,721
Return over variable cost	₹5,142	₹8,565	₹8,375

*IF THE MANAGEMENT CHARGES, RISK FACTOR, TRANSPORTATION AND RENTAL VALUE OF LAND ARE EXCLUDED FROM TOTAL COST.

UNINSURED ONES DEMAND SPECIAL GIRDAWARI

Though the insurance firms have compensated the affected insured farmers under the

Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana, the uninsured farmers had demanded special

girdawari of the crop damage and compensation from the state government.

under the Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana (PMFBY), the un-insured farmers had demanded special girdawari of the crop damage and compensation from the state government. A revenue official from Hisar said the state government had also given compensation to the farmers

samand, Adampur and Kheri Chopta which had below 25 per cent crop loss. However, these farmers too raised doubts over the special girdawari and have started agitation on their demand for compensation.

Meanwhile, the HAU's report on the Economics of

2021' has compiled sample size data of the farmers from Hisar, Bhiwani, Sirsa, Rewari and Mahendergarh districts. The data analysis indicated that the total input cost of one acre of cotton is Rs 35,241 which includes tillage, seed, fertiliser, irrigation, harvesting management charges

rental value of land. Of this, the farmer garnered the gross return of Rs 29,520 per acre — a net loss of Rs 5,721.

However, the report suggested that the farmers had fetched a return of Rs 8,375 per acre if the gross income was compared with only the variable cost of inputs that excluded the management charges, risk factor, transportation and rental value of the land. Mange Ram Sharma, a farmer of Kirtan village, said he garnered about 16 quintals of cotton from five acres. "The production should have crossed 40 quintals if the rains and bollworm had not affected the crop", he said. Surender Arya, a farmer leader said they had been holding dharna at Balsamand sub-tehsil office for the past 57 days. "We demand that all cotton farmers should get adequate compensation", he said adding that the university report has substantiated the demand of the farmers. Congress Rajya Sabha MP Deepender Hooda visited the dharna site yesterday to back the farmers' demand while RLD leader Jayanat Chaudhary too had come out in support of the farmers.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुमाचार पत्र का नाम <i>हीलो हिसार</i>	दिनांक 08.07.2022	पृष्ठ संख्या -----	कॉलम -----
--	----------------------	-----------------------	---------------

चौ.च.सिं. हकृपि के बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिज़ाइन अधिकार: प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिज़ाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिज़ाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी



डिज़ाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अधिकार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने

बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है।

कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएँ बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है।

इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
इन्टर्स्पान समाचार	08.07.2022	-----	-----



असंगठित बोर्ड द्वारा काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में होगी सुविधा

हिसार, 07 जुलाई (दि.स.)। यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को यौवं पोडकट बैंकस्टेशन नामक डिज़ाइन किए गए उन्पाद पर दस साल का डिज़ाइन अधिकार मिला है। आरतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिज़ाइन प्रमाण पत्र में इस उन्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति पो. वीआर कम्बोज ने ग्रूवर को बताया कि इस उन्पाद के अधिकार से भवका उन्पाद बनाने वाली असंगठित बोर्ड द्वारा काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। यह बैंकस्टेशन प्रभुव्य रूप से फर्जी पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प भ्रिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अंदर-भूजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्फेलेट विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अल्प बहुउद्दीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है।

कुलपति ने कहा आरत भूमि असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएं बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह बैंकस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को द्यवहाँ सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलो-स्फेलेट विकारों से श्रीरोग की रक्षा करता है। उन्हींने कहा कि विश्वविद्यालय फिसानी व आम लोगों के लाभ की ऐसी कई तकनीकी पर काम कर रहा है जिन्हें सही मानदंडों के द्वारा अविष्य में और भी बैहतर बलाने वाले वैदिक सम्पटा के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्हींने यह पीछ पोडकट बैंकस्टेशन डिज़ाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा यकृता भवकाली व उनकी गाइड डॉ. मंजू महता को बधाई दी।

डॉ. मंजू महता ने कहा कि भलके के तार और झोनियों के आम्रेण बनाने वाली महिलाएं फर्जी पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह बैंकस्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिला एक साथ में दो-चार महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है। बैंकस्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उन्पाद की कोन्फैक्टेशन और गतिशीलता के साथ जगह की भी बचत करता है। इसमें बैंडारण के लिए स्थान होने के बलाते यह श्रमिकों को उनकी सामान्य पूँछ में काम करने में सकार बनाता है।

इस अवसर पर ग्रामव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता, और सदी डॉ. अनुज दीश्वरा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व भौतिक एव्याकुञ्ज डॉ. संदीप आर उपस्थित थे।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश/संजीव